



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 22 मार्च, 1986/1 चंद्र, 1908

हिमाचल प्रदेश सरकार

भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 27 जनवरी, 1986

संघर्ष। एच०ए०ड०ड००-०००(ए०) ४-५/७९-वाल्पूम-III।—हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक और यूनानी अवसायी (निवाचन) नियम, 1985 का प्रारूप, हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक और यूनानी प्रैक्टिशनर्ज एक्ट, 1968 (1968 का 21) की धारा 4 और धारा 54 की उप-धारा (1) के साथ पठित उस की धारा 54 की उप-धारा (2) के खण्ड (बी) द्वारा यथा अपेक्षित इस विभाग की समसज्जांक अधिसूचना तारीख 9 जुलाई, 1985 में प्रकाशित किया गया था जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उन से प्रभावित होने की सम्भावना थी, उन के प्रकाशित किए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर आज्ञेय और सुझाव मिले गए थे;

और विहित अवधि के भीतर उक्त प्रारूपित नियमों पर जनता से कोई आज्ञेय और सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल उक्त अधिनियम की धारा 54 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ।—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक और यूनानी अवसायी (निवाचन) नियम, 1985 है।

▲ (2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो :—

- (क) "अधिनियम" से हिमाचल प्रदेश आमुर्वदिक और यूनानी प्रैविटेशनर्ज एक्ट, 1968 (1968 का ऐक्ट संख्यांक 21) अभिप्रेत है;
- (ख) "अध्यक्ष" से बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है;
- (ग) "निर्वाचक" से हिमाचल प्रदेश राज्य में निवास कर रहा ऐसा रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी अभिप्रेत है; जिसका नाम रजिस्टर में नियम 3 के अधीन विनिदिष्ट को जाने वाली तारीख को दर्ज है;
- (घ) "प्ररूप" से इन नियमों से संतुलन प्ररूप अभिप्रेत है;
- (ङ) "सरकार" से हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार अभिप्रेत है;
- (च) "रिटनिंग अधिकारी" से अध्यक्ष या उस के द्वारा रिटनिंग अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (छ) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है; और
- (ज) ऐसे अन्य सब शब्दों और पदों के जो इसमें प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं और अधिनियम में परिभाषित हैं वे ही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में क्रमशः उनके हैं।

3. निर्वाचन के बारे में अधिमूचना.—जब कभी भी धारा 3 की उप-धारा (1) खण्ड (सी) के अधीन निर्वाचन आवश्यक हो तो अध्यक्ष एक नोटिस जारी करके निर्वाचकों से नोटिस में विनिदिष्ट तारीख तक सदस्य या सदस्यों का निर्वाचन करने के लिए कहेगा।

4. तारीख जिसको हिमाचल प्रदेश में निवास कर रहे रजिस्ट्रीकृत व्यवसायियों की गणना की जायेगी।—31 जनवरी वह तारीख होगी जिसको कि हिमाचल प्रदेश में निवास कर रहे रजिस्ट्रीकृत व्यवसायियों की संख्या की धारा 3 की उप-धारा (4) के अधीन गणना की जायेगी।

5. हिमाचल प्रदेश का निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन।—धारा 5 के प्रयोगन के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य को ऐसी रीति से निर्वाचन-क्षेत्रों में विभाजित किया जायेगा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचकों और उस निर्वाचन क्षेत्र की आवंटित स्थानों की संख्या में अनुपात, जहां तक व्यवहार्य हो, सारे प्रदेश में एक जैसा हो।

6. निर्वाचक नामावली का तैयार करना।—निर्वाचक नामावली रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्टर से तैयार की जायेगी; इसमें बोर्ड के सदस्य के निर्वाचन के लिए मतदान करने के लिए अहित प्रत्येक निर्वाचक का नाम, पिता का नाम, पता और रजिस्ट्रीकरण संख्या अन्तर्विष्ट होगी।

7. प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन।—रिटनिंग अधिकारी धारा 9 में विवरित रीति से निर्वाचक नामावली को यह विवरित करते हुए नोटिस सहित प्रकाशित करेगा कि उक्त कथित नामावली में प्रविष्टियों या लोप से सम्बन्धी कोई आक्षेत्र, नोटिस में आक्षेत्र की सुनवाई के लिए विनिदिष्ट तारीख को या उससे पूर्व रिटनिंग अधिकारी को उसके कार्यालय में प्रस्तुत किया जायेगा।

8. निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन।—रिटनिंग अधिकारी आक्षेत्रों की सुनवाई और विनिश्चय के पश्चात् शीघ्र, परन्तु आक्षेत्रों की सुनवाई के लिए नियम तारीख से दस दिन तक न कि उसके पश्चात् धारा 9 में अधिकथित रीति से अन्तिम निर्वाचक नामावली को प्रकाशित करेगा और संदाय पर ऐसे व्यक्तियों को प्रदाय के लिए जो उसके लिए आवेदन करें निर्वाचक नामावली की पर्याप्त प्रतिलिपियां मुद्रित करवायेगा।

9. प्रकाशन की रीति।—इन नियमों के अधीन संवाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाने वाला कोई आदेश, अधिमूचना या निर्वाचक नामावली सम्यक रूप से प्रकाशित समझी जायेगी यदि वह निम्नलिखित के कार्यालयों के बाहर सहजदृश्य स्थानों पर रखी जाएः—

- (क) राज्य में उपायुक्त, तहसीलदार और उप-मण्डल अधिकारी (सिविल); और
- (ख) रजिस्ट्रार, बोर्ड।

10. निर्वाचन कार्यक्रम.—नियम 3 के अधीन जारी किये गए नोटिस के यथागत्यण, पत्र विवात रिटर्निंग अधिकारी निर्वाचन कार्यक्रम तैयार करेगा। नाम निर्देशन पत्र भी भरे जाने के लिए नियम तारीख से नीमरे दिन के भीतर नाम निर्देशन पत्रों की संबोधका की जायेगी तथा उनकी संबोधका किए जाने के पश्चात नाम वापस लेने के लिए 3 दिन का समय दिया जायेगा। वह प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के सम्बन्ध में नाम निर्देशन पत्र भरने की तारीख, समय और स्थान, मतदान के पश्चात उस द्वारा मतवत प्राप्त करने का तारीख और निर्वाचित होने वाले व्यक्तियों के नामों को प्रकाशित किए जाने की तारीख विनिर्दिष्ट करेगा।

11. निर्वाचन कार्यक्रम में संशोधन, परिवर्तन या उपांतरण.—अध्यक्ष, लिखित आदेश द्वारा किसी भी समय निर्वाचन कार्यक्रम में संशोधन, परिवर्तन या उपांतरण कर सकता है।

12. नियम 11 के अधीन आदेश का प्राप्तान.—नियम 11 के अधीन प्रत्येक आदेश नियम 9 के अधीन विहित रीत से प्रकाशित किया जायेगा।

13. अध्यय्यियों का नाम-निर्देशन.—(1) हिमाचल प्रदेश में निवास कर रहा रजिस्ट्रीकूट कोई भी वर्षसारी, जिसका नाम नियम 8 के अधीन प्रकाशित निर्वाचक नामावली में दर्ज है और जो अधिनियम के अधीन निरहित नहीं है, बोर्ड के निर्वाचन के लिए अध्यय्यी के रूप में नाम निर्देशित किया जा सकेगा:

बश्यते कि सभी प्रकार से पूर्ण नाम निर्देशन पत्र, नाम निर्दिष्ट व्यक्तियों या उसमें प्रस्तावक अथवा समर्थक द्वारा नियम 10 के अधीन नियम तारीख, समय और स्थान पर रिटर्निंग अधिकारी को दे दिया जाता है।

(2) प्रत्येक अध्यय्यी का नाम निर्देशन प्रला-1 में पृष्ठक नामनिर्देशन पत्र में किया जायेगा जिस पर सहमति अध्यय्यी द्वारा स्वयं और प्रस्तावक और समर्थक के रूप में दो वर्किंगों द्वारा वर्किंग की जायेगी जिनके नाम नियम 8 के अधीन प्रकाशित निर्वाचन नामावली में दर्ज हैं।

14. जमा.—नामनिर्देशन पत्र भरने वाले प्रत्येक अध्यय्यी को अपना नाम-निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने से पूर्व या नाम-निर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने के समय नियम 13 के उपनियों के अधीन रजिस्ट्रार के पास पचास रुपये की राशि नकद अथवा मनी आर्डर द्वारा जमा करनी अथवा करवानी होगी और उसे नामनिर्देशन पत्र के साथ रजिस्ट्रार द्वारा जारी की गई नकदी की रसीद या मनी आर्डर रसीद संलग्न करनी होगी। जब तक कि ऐसी जमा राशि विस्तृत नहीं कर दी गई हो, कोई भी अध्यय्यी सम्यक रूप से नाम निर्देशित नहीं समझा जायगा।

15. जमा का सम्पर्हण.—यदि वह अध्यय्यी जिसने या जिसकी ओर से नियम 14 में निर्दिष्ट राशि जमा की गई हो, निर्वाचित नहीं होता है और उस निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए अध्यय्यी को प्राप्त न्यूनतम मतों के आधे मतों से कम मत प्राप्त करता है तो उसके द्वारा जमा राशि बोर्ड के पास सम्पर्हत हो जायेगी।

16. जमा का प्रतिदाय.—(1) निम्नलिखित दशाओं में जमा राशि, रिटर्निंग अधिकारी की सिफारिश पर, अध्यक्ष के लिखित आदेश द्वारा, अध्यय्यी को, या यदि उसके द्वारा जमा न की गई हो तो उस व्यक्ति को जिसने जमा की हो, या अध्यय्यी की मृत्यु की स्थिति में उसके विधिक प्रतिनिधियों को वापस कर दी जायेगी:—

- (क) जहां अध्यय्यी का नाम-निर्देशन-पत्र रद्द कर दिया गया हो;
- (ख) जहां अध्यय्यी ने विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर अपना नामनिर्देशन पत्र वापस ले लिया हो; या
- (ग) जहां निर्वाचकों को मत-पत्र जारी किए जाने से पूर्व अध्यय्यी की मृत्यु हो चुकी हो।

(2) निर्वाचन के परिणाम की घोषणा के पश्चात् निम्नलिखित दशाओं में जमा राशि वापस कर दी जायेगी:—

- (क) जहां कि अध्यय्यी निर्वाचित न किया गया हो किन्तु उसकी राशि का नियम 15 के अधीन सम्पर्हण न हुआ हो; या
- (ख) जहां अध्यय्यी निर्वाचित हो गया हो।

17. नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा और आक्षेपों पर निर्णय।—(1) रिटार्निंग अधिकारी, परीक्षण के लिए नियत समय में नाम निर्देशन पत्रों का परीक्षण करेगा, किसी अभ्यर्थी की पात्रता के बारे में आक्षेपकर्ताओं द्वारा व्यक्तिगत रूप में प्रस्तुत किए गए आक्षेपों की, यदि कोई हों, सुनवाई करेगा और इन आक्षेपों को ऐसी जांच के पश्चात् जैसा कि वह उचित समझे, अवधारित करेगा। नामनिर्देशन पत्र को स्वीकार या अस्वीकार करने का निर्णय और इसके कारणों का संक्षिप्त कथन नाम निर्देशन पत्र पर पृष्ठाक्रित किया जायेगा और वह रिटार्निंग अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

(क) परन्तु रिटार्निंग अधिकारी नामों अथवा संख्या के बारे में हुई लिपियां अशुद्धि जिन्हें, निर्वाचक नामावली में तत्स्थानी प्रविष्टियों के अनुरूप ठीक किया जायेगा, की अनुमति दे सकता है; और

(ख) जहां आवश्यक हो, यह निर्देश दे सकता है कि उक्त प्रविष्टि की किसी लिपकीय अथवा मुद्रण सम्बन्धी अशुद्धि पर ध्यान न दिया जाए।

(2) उप-नियम (1) के अधीन आक्षेप करने वाला व्यक्ति आवश्यक निर्वाचक चाहिए।

18. अभ्यर्थिता का वापस लेना।—(1) कोई अभ्यर्थी नामनिर्देशन पत्रों को वापिस लिए जाने के लिए अनुमति अवधि की समाप्ति से पूर्व रिटार्निंग अधिकारी को अपने हस्ताक्षरों के द्वारा निर्वाचित नोटिस देकर अपना नाम निर्देशन पत्र वापस ले सकता है।

(2) किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसने उप-नियम (1) के अधीन अपना नामनिर्देशन पत्र वापस लिए जाने के बारे में नोटिस दिया हो, नाम निर्देशन पत्र की वापसी रद्द करने अथवा उसी निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी के रूप में पुनः नाम निर्दिष्ट किए जाने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

19. नाम निर्देशन पत्रों की सूची का चिपकाया जाना।—(1) रिटार्निंग अधिकारी नाम निर्देशन पत्रों की वापस लिए जाने के लिए नियत अवधि की समाप्ति पर प्रलूप-2 में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए विधिमान्य रूप से नाम निर्दिष्ट अभ्यर्थियों (जिसके पश्चात् किसी भी निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी कहा गया है) की सूची वर्णक्रमानुसार तैयार करेगा और इसको अपने कार्यालय के बाहर चिपका करके प्रकाशित करेगा और नियम 20 के अधीन की गई कार्यवाही के अतिरिक्त उनके नामों को प्रलूप-3 में मतपत्र में दर्ज करायेगा।

(2) रिटार्निंग अधिकारी प्रत्येक ऐसे अभ्यर्थी को जो सम्यक रूप से नाम निर्दिष्ट किया गया हो, रजिस्ट्रीकृत दाक द्वारा सूचित करेगा।

20. विधिमान्यता: नामनिर्दिष्ट अभ्यर्थियों की सूची के प्रकाशन के पश्चात् प्रक्रिया।—(1) यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या निर्वाचित किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या के समान हो तो रिटार्निंग अधिकारी ऐसे सभी अभ्यर्थियों को सम्यक रूप से निर्वाचित घोषित कर देगा और ऐसे सभी अभ्यर्थियों की सूची अध्यक्ष के माध्यम से और यदि वह स्वयं अध्यक्ष हो तो सीधी सरकार को भेजेगा, इसमें वह रिक्त स्थानों का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट भी भेजेगा। अध्यक्ष शेष रिक्त स्थानों को भरने के लिए भी कार्रवाई करेगा।

(2) यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या निर्वाचित किये जाने वाले व्यक्तियों की संख्या से कम हो, तो ऐसी स्थिति में रिटार्निंग अधिकारी ऐसे सभी अभ्यर्थियों को सम्यक रूप से निर्वाचित घोषित कर देगा और ऐसे सभी अभ्यर्थियों की सूची अध्यक्ष के माध्यम से और यदि वह स्वयं अध्यक्ष हो तो सीधी सरकार को भेजेगा, इसमें वह रिक्त स्थानों का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट भी भेजेगा। अध्यक्ष शेष रिक्त स्थानों को भरने के लिए भी कार्रवाई करेगा।

21. निर्वाचन से पूर्व अभ्यर्थी की मृत्यु।—यदि विधिमान्य रूप से नाम निर्दिष्ट किसी अभ्यर्थी की मृत्यु हो जाती है तथा उसकी मृत्यु की मूरचना रिटार्निंग अधिकारी को निर्वाचकों को मत पत्र दिये जाने से पूर्व प्राप्त हो जाती है तो रिटार्निंग अधिकारी उस निर्वाचन क्षेत्र के मतदान को प्रत्यर्दिष्ट करेगा तथा इसकी रिपोर्ट अध्यक्ष को भेजेगा।

शोधुक्त निर्वाचन क्षेत्र के सम्बन्ध में निर्वाचन के त्रिंग मधी कार्यवाहियां ऐसे प्रारम्भ होगी मानो यह नया निर्वाचन हो :

परन्तु ऐसे अभ्यर्थी की दशा में जिसका नाम नियम 19 के अधीन प्राप्तित विधिमान्यतः नाम निर्दिष्ट अभ्यर्थियों की सूची में दर्ज किया जा चुका हो को नया नामनिर्देशन भरने की आवश्यकता नहीं होगी ।

22. रिट्टिंग अधिकारी द्वारा मत पत्रों का डाक द्वारा भेजा जाना—(1) नियम 19 के अधीन विधिमान्य नाम निर्देशनों की सूची के प्रकाशन के यथाशक्य शीघ्र पश्चात रिट्टिंग अधिकारी डाक प्रमाण पत्र के अधीन प्रत्येक निर्वाचक को प्रूप-3 में एक मतपत्र भेजा और प्रत्येक ऐसे मत पत्र के प्रतिवर्तक पर उस निर्वाचक का नाम और निर्वाचक नामावली में दी गई उसकी क्रम संख्या को दर्ज करेगा जिस को मत पत्र भेजा गया है ।

(2) मतपत्र के साथ रिट्टिंग अधिकारी निम्नलिखित भी भेजेगा:—

- (क) प्रूप 4-क में एक कवर जो रिट्टिंग अधिकारी को मत्वोधित किया गया होगा, और
- (ख) एक लिफाफा जिसमें वाहर मतपत्रों की संख्या दर्ज की गई होगी । रिट्टिंग अधिकारी प्रूप-4-ख में लिफाफे के बाएं किनारे पर मतपत्र संख्या दर्ज करवायेगा ।

(3) कवर तथा लिफाफे सहित मतपत्र, निर्वाचक को निर्वाचक नामावली में दर्शित पते पर भेजा जायेगा ।

(4) इस नियम के अधीन सभी मतपत्रों को जारी किए जाने के पश्चात रिट्टिंग अधिकारी ऐसे सभी मतपत्रों के पत्रकों को एक पैकिट में मुहरबन्द कर देगा और ऐसे पैकिटों पर इसकी अन्तर्वस्तु तथा सम्बन्धित निर्वाचन का उल्लेख करेगा ।

(5) कोई भी निर्वाचन इस अधार पर अविधिमान्य नहीं हो जायेगा कि निर्वाचक को उसका मतपत्र प्राप्त नहीं हुआ है; बरते कि मतपत्र इन नियमों के अनुसार जारी किया गया हो ।

23. मतपत्र पर अपना मत अधिभित करने के पश्चात् उस का वापस किया जाना—(1) नियम 22 के अधीन भेजे गए मतपत्र की प्राप्ति पर प्रत्येक निर्वाचक यदि वह निर्वाचन में मत देना चाहता है तो इस पर अपना मत अंकित करेगा तथा मतपत्र पर दिए गए अनुदेशों के अनुसार घोषणा पर हस्ताक्षर करेगा ।

(2) निर्वाचक मतपत्र को लिफाफे में डाक फर बन्द करेगा और इसे नवर में नत्यो करने के पश्चात् उपयुक्त अनुदेशों के अनुसार डाक अथवा सन्देशवाहक द्वारा रिट्टिंग अधिकारी को भेजेगा ताकि वह उसे इस सम्बन्ध में नियम 10 के अधीन नियत की गई तारीख को 3 बजे से पूर्व पहुंच जाए ।

24. मतपत्र पर मतदाता के हस्ताक्षरों का अनुप्रसारण—निर्वाचक को अपने हस्ताक्षरों को न कि अपने मत को ग्राम पंचायत के प्रधान या भारत सरकार या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित कराना चाहिये ।

25. अवितरित तथा नए मतपत्रों का जारी करना—(1) जब नियम 22 के अधीन डाक द्वारा भेजे गए मतपत्र तथा अन्य सम्बन्धित कागजात किसी भी कारण से अवितरित वापस कर दिए गए हों तो रिट्टिंग अधिकारी निर्वाचक के आवेदन पर उन्हें पुनः जारी करके निर्वाचक को व्यक्तिगत रूप में दे सकता है ।

(2) ऐसी दशाओं में जहां इसी निर्वाचक ने अपने मतपत्रों को असाधारणी में या उससे सम्बद्ध कागजातों का ऐसी रीति से प्रयोग किया है कि पत्रों का सुविधापूर्वक प्रयोग न किया जा सकता हो तो रिट्टिंग अधिकारी निर्वाचक द्वारा मतपत्र और अन्य सम्बद्ध कागजात के वापस करने या रिट्टिंग अधिकारी द्वारा अमावधानता के द्वारे अपना समाधान करने पर निर्वाचक को मतपत्रों और अन्य सम्बद्ध कागजात का दूसरा सेट जारी कर सकता है ।

रिट्निंग अधिकारी मतपत्रों के प्रति पत्र को सहित वापस किए गए मत पत्रों पर "रह" का चिह्न अंकित करेगा। ऐसे रह किए गए पत्र मतपत्रों के पत्रकों के अतिरिक्त इस प्रयोजन के लिए बनाए गए अलग कवर में रखे जाएंगे।

26. मत डालने की रीति—(1) प्रत्येक निर्वाचिक के, निर्वाचन क्षेत्र के उतने ही मत होंगे जितने कि निर्वाचन में स्थान भरे जाने हैं।

(2) ऐसा निर्वाचिक अपना मत देते समय, जिस को वह अपना मत देना चाहता हो, यथास्थिति निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी या एकल सदस्य निर्वाचन क्षेत्र या दोहरे निर्वाचन क्षेत्र के अध्यर्थी के नाम के सामने "X" का चिह्न अंकित करेगा, जैसी भी स्थिति हो।

27. मतों की गणना—(1) मतों की गणना रिट्निंग अधिकारी के कार्यालय में नियम 10 के अधीन रिट्निंग अधिकारी द्वारा मतपत्रों की प्राप्ति के लिए नियत तारीख से अगले दिन को जायेगी और 10 बजे पूर्वाह्न आरम्भ की जायेगी।

(2) (रिट्निंग अधिकारी और उसके आदेशों के अधीन मतों की गणना में सहायता करने वाले व्यक्ति के अतिरिक्त) निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी और उसके द्वारा इस निमित प्राधिकृत अधिकार्ता से भिन्न कोई भी व्यक्ति गणना के स्थान पर उपस्थित नहीं रह सकेगा।

28. मतपत्रों को अविधिमान्य घोषित करने के लिए आधार—मतपत्र जिस पर—

- (क) किसी अध्यर्थी के नाम के सामने गुणा का चिह्न "X" अंकित न किया गया हो;
- (ख) निर्वाचन क्षेत्र में भरे जाने वाले स्थानों से अधिक अध्यर्थियों के नाम के सामने चिह्न "X" अंकित किया गया हो;
- (ग) ऐसा चिह्न लगाया गया हो जिससे निर्वाचिक की पहचान की जा सकती हो;
- (घ) निर्वाचिक के हस्ताक्षर भूम्यक रूप से अनुप्रमाणित न किये गये हों; या
- (ङ) कोई अन्य कारण जिससे निश्चित न हो कि निर्वाचिक किस अध्यर्थी या अध्यर्थियों को मत डालना चाहता था;

अविधिमान्य होगा :

परन्तु खण्ड (ङ) की दशा में यदि "X" चिह्नों की कुल संख्या निर्वाचन क्षेत्र में भरे जाने वाले स्थानों की संख्या से अधिक न हो और किसी भी अध्यर्थी के पत्र में मत डाले जाने की वावत कोई अनिश्चितता न हो तो सारा मतपत्र अविधिमान्य नहीं होगा और यह प्रत्येक अध्यर्थी के बारे जिसकी वावत कोई अनिश्चितता नहीं है अविधिमान्य नहीं होगा।

29. मतगणना के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया—(1) नियम 27 में उल्लिखित समय, स्थान और तारीख को रिट्निंग अधिकारी, नियम 10 के अधीन मत पत्रों की प्राप्ति के लिए नियत तारीख को 3 बजे अपराह्न में पूर्व नियम 23 के अधीन उसको प्राप्त उन कवरों को खोलेगा जिनमें मतपत्र अन्तविष्ट हों और उनको कवरों में बाहर निकालेगा और मतपत्रों को जिन्हें वह विधिमान्य समझता हो उन मतपत्रों से अलग करेगा जिनको वह उन पर शब्द "अस्वीकृत" और अस्वीकृति के आधार को पृष्ठांकित करके अस्वीकार कर देता है।

(2) रिट्निंग अधिकारी उसके पचचात् प्रत्येक निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थियों को डाले गए विधिमान्य मतपत्रों की गणना करायेगा जिनको उमने अस्वीकार न कर दिया हो।

(3) यदि नियत दिन को गणना पूरी नहीं हो जाती है तो रिट्निंग अधिकारी अगले दिन 10 बजे प्राप्त कार्यवाहियों को स्थगित कर सकेगा और ऐसे मामले में निर्वाचन सम्बन्धी सभी दस्तावेज़, अपनी स्वयं की मोहर या

अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं की मोहरों के अधीन रखेगा यदि कोई उस्थित हो और अपनी मोहर लगाना चाहते हों और सभी दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए अन्यथा उचित सावधानियां दर्शेगा। रिटार्निंग अधिकारी दिन प्रतिदिन के लिए कार्यवाहियों को तब तक स्थगित कर सकेगा जब तक कि मत गणना पूरी नहीं हो जाती है।

(4) मतगणना पूरी हो जाने के पश्चात् रिटार्निंग अधिकारी स्वतः या किसी अभ्यर्थी की प्रार्थना पर जिस के लिए मत डाले गए हों या उनके अभिकर्ता की प्रार्थना पर मतों की दोबारा गणना कर सकेगा।

30. परिणाम की घोषणा—जब निर्वाचित क्षेत्र के लिए मतगणना या यदि पुनर्गणना की जानी हो तो पुनर्गणना पूरी हो जाने पर, रिटार्निंग अधिकारी उस निर्वाचित लड़ने वाले अभ्यर्थी या अभ्यर्थियों को निर्वाचित घोषित करेगा जिसने या जिन्होंने सब से अधिक मत प्राप्त किए हों और निर्वाचित लड़ने वाले ऐसे सफल हुए अभ्यर्थी/अभ्यर्थियों को उनके बोर्ड के लिए निर्वाचित किए जाने की सूचना पत्तों द्वारा उन्हें तुरन्त भेजेगा और उसकी एक प्रति अध्यक्ष और सरकार को भी भेजेगा।

31. एक समान मत होने की स्थिति में निर्णय—जब किन्हीं अभ्यर्थियों के मध्य एक समान मत पाए जाते हैं और एक मत अतिरिक्त होने पर किसी अभ्यर्थी को निर्वाचित किया जा सके तो इस बात का अवधारण, कि अतिरिक्त मत किस निर्वाचित लड़ने वाले अभ्यर्थी को दिया जाए का निर्णय रिटार्निंग अधिकारी द्वारा ऐसे निर्वाचित लड़ने व अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति में आध्य पत्रक द्वारा किया जायेगा।

32. निर्वाचित सामग्री को मोहर बन्द करना और उनका परिरक्षण—परिणाम घोषित किए जाने के पश्चात् रिटार्निंग अधिकारी, मतपत्रों और निर्वाचित सम्बन्धी सभी अन्य दस्तावेजों को मोहर बन्द कर देगा और उन्हें छः मास की अवधि के लिए अपने पास रखेगा और उसके पश्चात् उन्हें नष्ट करा देगा।

33. निर्वाचित याचिका दायर करने के लिए प्रतिभूति राशि—निर्वाचित याचिका दायर करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीड्ड व्यवसायी विहित प्राधिकारी के पास बोर्ड के चालू लेखों में स्टेट बैंक आफ इंडिया में या बोर्ड के कार्यालय में एक सौ रुपया जमा करवायेगा और उक्त बैंक या अध्यक्ष द्वारा जारी की गई रसीद निर्वाचित याचिका के साथ संलग्न करेगा।

34. प्राधिकारी जिस के पास निर्वाचित याचिका प्रस्तुत की जा सकेगी—निर्वाचित याचिका अध्यक्ष के पास प्रस्तुत की जा सकेगी और उस को अध्यक्ष, उसके द्वारा जासकीय राजपत्र में अधिसूचना द्वारा गठित किए जाने वाले निर्वाचित अधिकरण को विनिश्चय के लिए भेजेगा।

35. शापथ पत्र का प्ररूप—जब किसी भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाया गया हो तो याचिका निर्वाचित याचिका के साथ ऐसे भ्रष्ट आचरण के आरोप और उस की विशिष्टियां जो कि प्रथम श्रेणी मैंजिस्ट्रेट द्वारा अनुप्रमाणित होंगी, के समर्थन में प्ररूप-6 में शापथ पत्र प्रस्तुत करेगा।

### अनुबेद

1. निर्वाचित लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या ..... है जिसको निर्वाचित मत देना चाहता है जिसमें से ..... आयुर्वेदिक पद्धति अपनाने वाले और ..... यूनानी पद्धति अपनाने वाले रजिस्ट्रीड्ड व्यवसायी होंगे।

2. निर्वाचित किए जाने वाले ..... अभ्यर्थियों में से ..... व्यक्तियों के पास आयुर्वेदिक या यूनानी पद्धति में डिप्लोमा या डिग्री होनी चाहिए।

3. जिन अभ्यर्थियों के नाम पर \*बिहिन भत किया गया है उनके पास आयुर्वेदिक पद्धति या यूनानी पद्धति में डिप्लोमा या डिग्री है।

4. आप जिन अध्यर्थियों को मत देना चाहते हैं उनके नाम के सामने चिह्न X लगाकर मत देना होगा । यदि आप मपने सभी मतों का प्रयोग न करना चाहते हों (जहां पर एक से अधिक मत अनुमत है और आप उनका प्रयोग नहीं करना चाहते हो तो एक से अधिक मत किसी भी अध्यर्थी को नहीं दिया जा सकेगा ।

### 5. मत-पत्र अविधिमान्य होगा यदि,—

- (क) चिह्न 'X' निर्वाचन किए जाने वाले अध्यर्थियों से अधिक अध्यर्थियों के नाम के सामने लगाया हो; या
- (ख) घोषणा पत्र निर्वाचक द्वारा उचित रूप में हस्ताक्षरित न किया गया हो; या
- (ग) इस पर रिटार्निंग अधिकारी के आदाक्षर न किए गए हों; या
- (घ) उस पर मत अभिलिखित न किया गया हो; या
- (ङ) निर्वाचक उस पर अपने हस्ताक्षर कर देता है या कोई शब्द लिख देता है या कोई ऐसा चिह्न अकित कर देता है जिससे उसके मतपत्र की पहचान हो जाए; या
- (च) उस पर अभिलिखित मतों की संख्या, रिक्तियों के भरे जाने की संख्या से बढ़ जाए; या
- (छ) यह हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक और यूनानी व्यवसायी (निर्वाचन) नियम, 1985 से संगत न हो; या
- (ज) यह इस अनिश्चितता के कारण कि एक मत का या इससे अधिक मतों का प्रयोग किया गया है, शून्य हो:

परन्तु जब उसी मतपत्र पर एक से अधिक मत दिया जा सकता हो और यदि एक चिह्न इस प्रकार से लगाया गया हो कि जिनसे संदेह उत्पन्न हो जाए और वहां न लग सके कि चिह्न में किस पर लगाया गया है तो इसके परिणामस्वरूप मत ही अविधिमान्य होगा न कि सारा मत पत्र अविधिमान्य हो जायेगा ।

6. आप को घोषणा (संलग्न) प्ररूप 5 में हस्ताक्षरित करना चाहिए और उसमें निर्वाचक नामावली में दी गई कम संख्या और निवास स्थान, जिसका अनुप्रमाणन अधिकारी की उपस्थिति में जो कि राजपत्रित कर्मचारी या प्रधान होगा लिख देना चाहिए । वह केवल निर्वाचकों के हस्ताक्षर ही अनुप्रमाणित करेगा किन्तु उसके मत को अनुप्रमाणित नहीं करेगा जो कि उसकी उपस्थिति में नहीं दिया जायेगा । आप को यह घोषणा, मतपत्र के सहित बापस करनी होगी जो कि एक छोटे लिफाफे में डाली जायेगी । ऐसे हस्ताक्षर, प्रविष्ट और अनुप्रमाणन के बिना मत-पत्र अविधिमान्य होगा ।

7. यदि आप एक से अधिक मतपत्र भरते हैं तो रिटार्निंग अधिकारी द्वारा प्राप्त केवल ऐसा प्रथम मतपत्र ही विधिमान्य होगा यदि अन्यथा ठीक हो; यदि रिटार्निंग अधिकारी इस बात को अवधारित करते में असमर्थ हो जाए कि कौन सा ऐसा मतपत्र पहले प्राप्त हुआ था तो दोनों या ऐसे सभी मतपत्र अविधिमान्य होंगे ।

8. मत-पत्र रजिस्ट्रीक्यूट डाक द्वारा रिटार्निंग अधिकारी को भेजे जायेंगे या उसे व्यक्तिगत रूप में सौंपे जायेंगे । मत-पत्र जो रिटार्निंग अधिकारी द्वारा ..... (मय और तारीख) 198 ..... के ..... मास ..... दिन होते हैं । अस्त्रीकार कर दिए जायेंगे ।

### अनुदेश

1. ऐसा नाम निर्देश पत्र जो रिटार्निंग अधिकारी द्वारा ..... पहले प्राप्त न हुआ हो, अविधिमान्य होगा ।

2. अध्यर्थी का नाम चही होगा जो निर्वाचक नामावली में दिया गया हो ।

3. अध्यर्थी को दी जाने वाली रसीद श्री ..... का नाम निर्देशन पत्र निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी/प्रस्तावक/समर्थक/निर्वाचन लड़ने वाले प्राधिकृत अभिकर्ता से ..... में (स्थान) तारीख ..... को ..... बजे प्राप्त हुआ ।

रिटार्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर ।

प्रृष्ठ-1

(नियम 13 देखें)

नाम-निर्देशन-पत्र

निर्वाचन क्षेत्र, आयुर्विज्ञान के

हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा पद्धति बोर्ड के सदस्यों का निर्वाचन

नामनिर्दिष्ट अध्यर्थी के बारे, विशिष्टियां

1. अध्यर्थी का नाम ..... (मोटे अक्षरों में)
2. रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र संख्या .....
3. रिता का नाम .....
4. पेयजल की जाने वाली की पद्धति .....
5. रजिस्ट्रीकृत अध्यर्थी की अहंताएं .....
6. पता .....
7. प्रस्तावक के हस्ताक्षर .....
8. प्रस्तावक की रजिस्ट्रीकृत संख्या .....
9. प्रस्तावक का पता .....
10. प्रस्तावक के हस्ताक्षर .....
11. समर्थक के हस्ताक्षर .....
12. समर्थक की रजिस्ट्रीकृत संख्या .....
13. समर्थक का पता .....

अध्यर्थी द्वारा घोषणा

मैं एतद्वारा घोषित करता हूं कि मैं नामनिर्देशन से सहमत हूं ।

मेरा नाम निर्वाचक नामावली में क्रम संख्या ..... पर है ।

मैंने रसीद संख्या ..... तारीख ..... के अधीन एवं समय की प्रतिभूति जमा करा दी है, जो कि इसके साथ संलग्न है ।

अध्यर्थी के हस्ताक्षर ।

इस नामनिर्देशन पत्र को मैंने तारीख ..... को ..... बजे (तार) और (समय) प्राप्त किया है ।

रिटार्निंग अधिकारी ।

प्रकल्प-2

(नियम 19 देखें)

निर्वाचित क्षेत्र के लिए विधिमान्यतः नामनिर्दिष्ट अभ्यर्थियों की सूची :

क्रमांक	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी का पता
---------	-----------------	-----------------

### रिट्निंग अधिकारी ।

प्रकृत्य- 3

[नियम 19 और 22 (1) देखें]

..... निर्वाचन क्षेत्र के लिए मत-पत्र का अप्रभाग

प्रति-पत्रक अध्यर्थियों का नाम	आयुर्वेदिक पद्धति अपनाने वाले	यूनानी पद्धति अपनाने वाले	मतपत्र पर निशान लगाने का स्थान
19 ..... के लिए आयुर्विज्ञान हिमाचल प्रदेश के लिए आयुर्विज्ञान आयुर्वेदिक एवं यूनानी पद्धति से बोडे का निर्वाचन निर्वाचक नामावली में मतपत्र की क्रम संख्या ।	1 2 3 4 5 6 7 8 9		

निर्वाचक का नाम ..... . . . . .

## प्रेषण की तारीख .....

प्रेपण अधिकारी आदि के आद्याक्षर ।

टिप्पणी:—मतपत्र के पछले भाग पर निर्वाचिक नामांकनी में दी गई निर्वाचिक की संख्या अंकित की जायेगी जिस को मतपत्र भेजा जा रहा है।

प्रस्तुप-4क

[नियम 22 (2) देखें]

छोटा निफाका

सेवा में,

रिटिनिंग अधिकारी (निर्वाचन),  
हिमाचल प्रदेश आयुर्विज्ञान, आयुर्वेदिक एवं यूनानी  
चिकित्सा पद्धति बोर्ड, शिमला-171 002

प्रस्तुप-4ख

[नियम 22(2) देखें]

बड़ा निफाका

सेवा में,

रिटिनिंग अधिकारी (निर्वाचन),  
हिमाचल प्रदेश आयुर्विज्ञान, आयुर्वेदिक एवं  
यूनानी चिकित्सा पद्धति बोर्ड, हिमाचल प्रदेश  
शिमला-171 002

प्रस्तुप-5

(अनुदेश संख्या 6 देखें)

मैं एतद्वारा घोषित करता हूं कि मेरा नाम निर्वाचक नामावली में (1) प्रविष्टि संख्या ..... पर है।

निर्वाचक के हस्ताक्षर  
निवास स्थान: .....

प्रमाणित करता हूं कि उक्त निर्वाचक ने घोषणा मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षरित की है।

अधिकारी का नाम

अनुप्रमाणन अधिकारी के हस्ताक्षर।

अनुप्रमाणन अधिकारी का पदनाम और पूरा पता—

प्रृष्ठ-6

(नियम 35 देखें)

शपथ-पत्र

(व्यवसायी का नाम उल्लिखित करें)

से सुपुत्र श्री..... श्रावु..... निवासी.....  
(पिता का नाम) (पूरा पता लिखें)

सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ/शपथ लेता हूँ और कहता हूँ कि:—

(1) कि प्रत्यर्थी भ्रष्ट आचरण का दोषी रहा है (यहाँ एक या उससे अधिक भ्रष्ट आचरणों और उनकी विविधियों का उल्लेख करें)

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

श्राव तारीख..... को 198..... के दिन.....  
को श्री/श्रीमती ने ..... सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञान किया है/शपथ ली है।अनुप्रमाणन मजिस्ट्रेट का नाम  
(कायलिय की मोहर सहित)  
अनुप्रमाणन की तारीख और स्थान।आदेश द्वारा,  
श्री ० पी ० यादव,  
मंचिव।

[In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor, H.P. is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. HFW-B (A) 4-5/79-Vol.III dated 27th January, 1986].

## INDIAN SYSTEM OF MEDICINE DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Shimla-171002, the 27th January, 1986

No. HFW-B (A) 4-5/79-Vol:-III.—Whereas the draft Himachal Pradesh Ayurvedic and Unani Practitioners (Election) Rules, 1985 were published in Rajpatra Extra-ordinary, Himachal Pradesh dated the 29th July, 1985 as required under clause (b) of sub-section (2) section 54 of the Himachal Pradesh Ayurvedic and Unani Practitioners Act, 1968 (Act No. 21 of 1968) read with section 4 and sub-section (1) of section 54 of the said Act, vide this Department Notification of even number, dated the 8th July, 1985 for inviting objections and suggestions before the expiry of thirty days from the date of publication from all persons likely to be affected thereby;

And whereas no objections and suggestions were received from the public on the said draft Rules within the prescribed period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under section 54 of the said Act, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the following rules, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Ayurvedic and Unani Practitioners (Election) Rules, 1985.

(2) These shall come into force at once.

2. *Definitions.*—(1) In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

(a) "Act" means the Himachal Pradesh Ayurvedic and Unani Practitioners Act, 1968 (Act No. 21 of 1968) ;

(b) "Chairman" means the Chairman of the Board;

(c) "Elector" means the registered practitioner residing in the State of Himachal Pradesh whose name is entered in the Register on such date as may be specified under rule 3;

(d) "Form" means a form appended to these Rules ;

(e) "Government" means the Government of Himachal Pradesh ;

(f) "Returning Officer" means the Chairman or any other person authorised by him to act as Returning Officer; and

(g) "Section" means a section of the Act;

(h) all other words and expressions used herein but not defined and defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. *Notification about election.*—Whenever election under clause (c) of sub-section (1) of section 3 becomes necessary the Chairman shall issue a notice calling upon the electors to elect a member or members by a date to be specified in the notice.

4. *Date on which the number of registered practitioners residing in Himachal Pradesh shall be counted.*—31st of January shall be the date on which the number of registered practitioners residing in the State of Himachal Pradesh shall be counted under sub-section (4) of section 3.

5. *Division of Himachal Pradesh into constituencies.*—For the purpose of section 3, the State of Himachal Pradesh shall be divided by the State Government into territorial constituencies in such manner that the ratio between the electors of each constituency and the number of seats allotted to that constituency shall, as far as practicable, be the same throughout the State.

6. *Preparation of electoral roll.*—The electoral roll shall be prepared by the Registrar from the Register; it shall contain the name, father's name, address and registration number of every elector qualified to vote for the election of a member of the Board.

7. *Publication of draft electoral roll.*—The Returning Officer shall publish in the manner stated in rule 9 the electoral roll along with notice stating that any objection relating to entries in or omission from the said electoral roll may be preferred to the Returning Officer at his office during office hours on or before the date of hearing of objection to be specified in the notice.

8. *Final publication of electoral roll.*—The Returning Officer shall, soon after the objections have been heard and decided, but not later than 10 days after the date fixed for hear-

ing of objections, publish in the manner laid down in rule 9 the final electoral roll and shall cause to be printed a sufficient number of copies of the electoral roll for supply on payment to such persons as may apply for the same.

9. *Method of publication.*—Any order, notification or the electoral roll to be published for general information under these rules shall be deemed to be duly published if the same is placed at conspicuous places outside the offices of:—

- (a) Deputy Commissioners, Tehsildars and Sub-Divisional Officers (Civil) in the State; and
- (b) The Registrar of the Board.

10. *Election programme.*—As soon as may be after the issue of the notice under rule 3, the Returning Officer shall frame the election programme. The scrutiny of nomination papers shall be held not later than the 3rd day of the last date fixed for filing nomination papers and three days' time shall be allowed for the withdrawal of nomination papers after their scrutiny. He shall specify for each constituency the date, time and place for the filing of nomination papers, the date by which ballot papers after voting shall be received by him and the date of publication of names of persons declared to have been elected.

11. *Amendment, variation or modification of election programme.*—The Chairman by an order in writing, may amend, vary or modify an election programme at any time:

Provided that unless the Chairman otherwise directs no such order shall be deemed to invalidate any proceeding taken before the date of the order.

12. *Publication of order under rule 11.*—Every order under rule 11 shall be published in the manner prescribed under rule 9.

13. *Nomination of candidates.*—(1) Any registered practitioner residing in Himachal Pradesh whose name appears in the electoral roll published under rule 8 and who is not disqualified under the Act may be nominated as a candidate for election in the Board :

Provided that the nomination paper complete in all respect is delivered by the persons nominated or by his proposer or seconder to the Returning Officer on the date, time and place fixed under rule 10.

(2) The nomination of each candidate shall be made on a separate nomination paper in Form I and must be subscribed by the candidate himself as assenting to the nomination and by two persons as proposer and seconder whose names are included in the electoral roll published under rule 8.

14. *Deposit.*—Each candidate filing a nomination paper under the provisions of rule 13 shall, on or before the time of delivery of his nomination papers, deposit or cause to be deposited a sum of fifty rupees in cash or by money order with the Registrar and enclose with the nomination paper the cash receipt issued by the Registrar or the money order receipt. No candidate shall be deemed to be duly nominated unless such deposit had been made.

15. *Forfeiture of deposit.*—If a candidate by whom or on whose behalf the deposit referred to in rule 14 has been made is not elected and the number of votes polled by him is less than one half of the votes polled by the candidate who is declared to have been elected with less number of votes, from that constituency, the deposit shall be forfeited to the Board.

16. *Refund of deposit.*—(1) The deposit in the following cases shall by an order in writing of the Chairman on the recommendation of the Returning Officer be refunded to the candidate or if not made by him to the person by whom it was made or where the candidate has died to his legal representatives—

- (a) where the nomination paper of the candidate has been rejected ; or
- (b) where the candidate has withdrawn his nomination paper within the specified time; or
- (c) where the candidate has died before issue of the ballot paper to the electors.

(2) The deposit in the following cases shall be refunded after the declaration of the result of the election :—

- (a) where the candidate though not elected does not forfeit his deposit under rule 15; or
- (b) where the candidate is elected.

17. *Scrutiny of nomination papers and decision of objections.*—(1) The Returning Officer shall examine the nomination papers at the time appointed in this behalf, hear objections, if any, presented by the objectors in person to the eligibility of any candidate and determine these objections after such inquiry as he may consider necessary. The decision rejecting or accepting a nomination paper, and a brief statement of reasons thereof shall be endorsed on the nomination paper and signed by the Returning Officer :

Provided that the Returning Officer may,—

- (a) permit a clerical error, in the nomination paper, in regard to names or numbers, to be corrected in order to bring them in conformity with the corresponding entries in the electoral roll; and
- (b) where necessary, direct that any clerical or printing error in the said entries shall be ignored.

(2) The person objecting under sub-rule (1) must be an elector.

18. *Withdrawal of candidature.*—(1) Any candidate may withdraw his nomination by a notice in writing, which shall be subscribed by him and delivered to the Returning Officer, before expiry of the time allowed for the withdrawal of nomination papers.

(2) No person who has given a notice of withdrawal under sub-rule (1) shall be allowed to cancel the withdrawal or re-nominated as candidate for the same election.

19. *List of nominations to be posted.*—The Returning Officer shall on the expiry of the time fixed for withdrawal of nomination papers, prepare and publish by pasting outside his office in alphabetical order, a list of the names of such of the validly nominated candidate for each constituency in Form II (hereinafter called the contesting candidate for any constituency) and shall, except where action is taken under rule 20, cause their names to be entered in the ballot paper in Form III.

(2) The Returning Officer shall inform by registered post every candidate who has been duly nominated.

20. *Procedure after publication of list of validly nominated candidates.*—(1) If the number of contesting candidates for any constituency is equal to the number of persons to be elected, the Returning Officer shall declare all such candidates duly elected.

(2) If the number of contesting candidates for any constituency is less than the number of persons to be elected, the Returning Officer shall declare all such candidates elected and shall forward a list of such persons to the Government through the Chairman and if he is the Chairman then direct to the Government, together with a report, specifying the number of unfilled seats. The Chairman shall, also take action to fill up the remaining vacancy.

**21. Death of candidate before election.**—If a candidate who has been validly nominated dies and a report of his death is received by the Returning Officer before issue of ballot-papers to the electors, the Returning Officer shall countermand the roll in respect of that constituency and report the matter to the Chairman and all proceedings with reference to the election in that constituency shall be commenced in all respects as if for a new election :

Provided that no fresh nomination shall be necessary in the case of a candidate whose name is entered in the list of validly nominated candidates published under rule 19.

**22. Returning Officer to send ballot papers by post.**—(1) The Returning Officer shall, as soon as may be, after the publication of the list of valid nominations under rule 19, send under certificate of posting to each elector a ballot-paper in Form III and shall enter on the counterfoil of each such ballot-paper the name of the elector to whom the ballot paper is sent and his serial number in the electoral roll.

(2) Along with the ballot paper the Returning Officer shall also send,—

(a) a cover addressed to himself in Form IV-A; and

(b) an envelope with the number of ballot-paper entered on its face. The Returning Officer shall have the number of the ballot-paper entered at the left hand bottom corner of the cover in Form-IVB.

(3) The ballot paper together with the cover and envelope shall be sent to the address of the elector as shown in the electoral roll.

(4) After all the ballot papers have been issued under this rule, the Returning Officer shall seal up the packet of counterfoils of all such ballot-papers and record on such packet the description of its contents the election to which it refers.

(5) No election shall be invalidated by reason that an elector has not received his ballot paper provided that the ballot-paper has been issued to him in accordance with these rules.

**23. Ballot papers to be returned after recording votes thereon.**—(1) Every elector on receiving his ballot paper sent under rule 22, if he desires to vote at the election, shall record his vote thereon and sign the declaration in accordance with the instructions set out on the ballot paper.

(2) The elector shall place the ballot-paper in the envelope, close the envelope and enclose it in the cover and send the cover by post through messenger to the Returning Officer in accordance with the instructions aforesaid so as to reach him before 3 P.M. on the date fixed in this behalf under rule 10. Any cover which is not received by the Returning Officer before 3.00 P.M. on the date so fixed shall be rejected. All such rejected covers shall be kept in a separate sealed packet by the Returning Officer and a list thereof shall be prepared.

**24. Attestation of the elector's signatures on the ballot-paper.**—An elector should obtain the attestation of his signatures but not of his vote by Pradhan of a Gram Panchayat or by a gazetted officer of the Government of India or of a State Government.

**25. Issue of undelivered and fresh ballot-papers.**—(1) When a ballot-paper and other connected papers sent by post under rule 22 are not for any reason returned undelivered the Returning Officer may re-issue them by delivery to the elector personally on his applying for the same.

(2) In cases, where any elector has inadvertently dealt with his ballot-papers or any of the connected papers in such manner that the papers cannot conveniently be used, a second set of ballot-papers and other connected papers may be issued to the elector on the elector returning ballot-paper and other connected papers to the Returning Officer and satisfying him of the inadvertence. The papers so returned to the Returning Officer together with the counterfoil of the ballot papers so returned shall be marked as cancelled by the Returning Officer. The paper so cancelled, except the counterfoil of the ballot-papers shall be kept in a separate envelope set apart for the purpose.

**26. Manner of recording votes.**—(1) Every elector in a constituency shall have as many votes as there are seats to be filled in that constituency at the election.

(2) Such an elector, when giving his votes, shall place the mark 'X' in the space against the name of the contesting candidate or candidates in a single-member constituency or double-member constituency, as the case may be, for which he desires to vote.

**27. Counting of votes.**—The counting of votes shall be done in the office of the Returning Officer on the date next following the date fixed under rule 10 for the receipt of ballot-papers by the Returning Officer and shall commence at 10 A.M.

(2) No person other than a contesting candidate and one agent for each such candidate authorised by him in writing in this behalf may remain present at the place of counting (besides the Returning Officer and the person assisting him under his orders in the counting of votes).

**28. Grounds for declaring ballot-papers invalid.**—A ballot-paper on which—

- (a) no mark 'X' has been placed against the name of any candidate;
- (b) the mark 'X' has been placed against the name of more candidates than there are seats to be filled in a constituency;
- (c) any mark is made by which the elector may afterwards be identified;
- (d) the signature of the elector not duly attested; or
- (e) for any reason it is not certain for which candidate or candidates the elector intended to vote;

shall be valid:

Provided that in a case under clause (e) if the total number of marks 'X' does not exceed the number of seats to be filled in a constituency and there is no uncertainty about a vote having been cast in favour of any candidate then the ballot-paper shall not be invalid as a whole and it will be valid in respect of each candidate in respect of whom there is no such uncertainty.

**29. Procedure to be followed at the counting of votes.**—(1) On the date and at the time and place mentioned in rule 27, the Returning Officer shall open the cover containing the ballot-papers received by him under rule 23 before 3 P.M. on the date fixed for receipt of ballot-papers under rule 10 and take out and thereafter scrutinise the ballot-papers taken out

from the cover and separate the ballot-papers which he deems valid from amongst those which he rejects endorsing on the later the word rejected and the ground of rejection.

(2) The Returning Officer shall thereafter cause to be counted the valid votes given to each contesting candidate as recorded on the ballot-papers which he has not rejected.

(3) If the counting of votes be not completed by 6 P.M. on the day appointed, the Returning Officer may adjourn the proceedings until the following day at 10 A.M. and in such case shall place all the documents relating to the election under his own seal and the seals of the candidates or their agents, if any, who are present and desire to affix their seals and shall otherwise take proper precautions for the security of all the documents. The Returning Officer may, in like manner, adjourn the proceedings from day to day until the counting of the votes has been completed.

(4) After the counting is completed the Returning Officer may on his own motion or at the request of any candidate (for whom the votes have been cast) or his agent recount the votes.

30. *Declaration of result.*—When the counting, or if there is recounting of the votes has been completed for a constituency, the Returning Officer shall forthwith declare the contesting candidate or candidates, as the case may be, in whose favour the largest number of votes have been cast in the constituency to be duly elected and shall forthwith inform such successful contesting candidates by letter(s) of his/their having been elected to the Board and also send a copy of the same to the Chairman and the Government.

31. *Decision in case of equality of votes.*—When an equal number of votes is found to exist between any candidate and the addition of one vote would entitle any contesting candidate to be declared elected, the determination of the contesting candidate whose favour such additional vote shall be deemed to have been cast shall be made by lot, to be drawn by the Returning Officer in the presence of such contesting candidates or their agents.

32. *Sealing and preservation of election material.*—After the result has been declared by him, the Returning Officer shall seal the voting papers and all other documents relating to the election and shall retain the same with him for a period of six months and thereafter cause them to be destroyed.

33. *Amount of Security to be furnished for filing up election petitions.*—Every registered practitioner filing up an election petition to the prescribed authority shall deposit one hundred rupees in the State Bank of India in the current account of the Board or in the office of the Board and attach the receipt issued by the said Bank or the Chairman with the election petition.

34. *Authority to whom election petition may be presented.*—(1) The election petition may be presented to the Chairman and the same will be referred for decision by the Chairman to the Election Tribunal to be appointed by the Chairman by means of a notification in the Government Gazette.

35. *Form of affidavit.*—Where any corrupt practice is alleged the petitioner shall, along with the election petition enclose an affidavit in Form VI, in support of the allegation of such corrupt practice and the particulars thereof, which shall be attested by a Magistrate of the 1st Class.

#### INSTRUCTIONS

1. The number of contesting candidates for which the elector may vote is ..... of which ..... will be registered practitioners following Ayurvedic System and ..... will be registered practitioners following Unani System.

2. Out of ..... candidates to be returned ..... must be persons holding a diploma or degree in Ayurvedic/Unani Systems of Medicine.

3. The candidates whose names are marked \* are holding a diploma or degree in the Ayurvedic System or Unani System.

4. YOU SHALL VOTE by placing the mark 'X' opposite the name or names of candidates whom you prefer. If you do not wish to use all your votes (in case where more than one vote is allowed you need not do so) but more than one vote may not be given to any one candidate.

5. The ballot-paper shall be invalid if:—

- (a) the mark 'X' is placed against the name of more candidates than are to be elected; or
- (b) the declaration is not properly signed by the elector; or
- (c) it does not bear the initials of the Returning Officer;
- (d) no vote is recorded thereon; or
- (e) a voter signs his name or writes a word or makes any mark on it by which it becomes recognisable as his ballot-paper; or
- (f) the number of votes recorded thereon exceeds the number of vacancies to be filled; or
- (g) it does not conform to the Himachal Pradesh Ayurvedic and Unani Practitioners (Election) Rules, 1985; or
- (h) it is void for uncertainty of one or more votes exercised :

Provided that when more than one vote can be marked on the same ballot-paper, if one of the marks is so placed as to render it doubtful to which candidate it is intended to apply the vote concerned and not the whole ballot paper shall be invalid on that account.

6. You should sign the declaration in Form V (enclosed) and write your number on the electoral roll and the place of your residence on it, in the presence of the Attesting Officer who shall be a gazetted officer or a Pradhan. He shall attest only the electors signatures but not his vote which should not be recorded in his presence. You should return this declaration along with the ballot-paper, which shall be put into the small envelope. Without such signature, entry and attestation the ballot-paper shall be invalid.

7. In case you fill in more than one ballot-paper the first only of such ballot papers received by the Returning Officer shall, if, otherwise in order, be valid, and if the Returning Officer, is unable to determine which of such ballot-papers was first received by him both or all such ballot-papers shall be invalid.

8. The ballot-paper shall be sent to the Returning Officer, by registered post or handed over to him personally. Ballot-papers which are not received by the Returning Officer before the ..... day ..... 198 ..... shall be rejected.

#### INSTRUCTIONS

1. Nomination paper ..... which was not received by the Returning Officer before ..... will be invalid.

2. The name of the candidate should be as it appears in the electoral roll.

3. Receipt to be given to candidate:

Received nomination paper of Shri..... from the contesting candidate/the proposer/the seconder the authorised agent of the contesting candidate at.....  
 .....  
 (date and time).

*Signatures of Returning Officer.*

**FORM-I**

(See rule 13)

**NOMINATION PAPER**

Constituency .....

Election of Members to the Board of Ayurvedic & Unani Systems of Medicine,  
 Himachal Pradesh

Particulars about the candidate nominated:

1. Name of the candidate.....  
 (in block letters)
2. Registration certificate No.....
3. Father's name.....
4. Age..... Sex..... Community.....
5. System of Medicine practised.....
6. Registered qualifications of the candidate.....
7. Address.....
8. Signatures of the proposer.....
9. Registered number of the proposer.....
10. Address of the proposer.....
11. Signatures of seconder.....
12. Registered number of seconder.....
13. Address of the seconder.....

**DECLARATION BY CANDIDATE**

I hereby declare that I agree to this nomination. My name exists in the electoral roll at serial No..... Security of fifty rupees has been deposited by me....  
 ....vide receipt No..... dated..... which is attached herewith.

*Signature of the candidate*

This nomination paper was received by me at

.....  
 (at the date and hour)

*Returning Officer.*

## FORM-II

(See rule 19)

## LIST OF VALIDLY NOMINATED CANDIDATES FOR THE CONSTITUENCY

Sr. No.	Name of the candidate	Address of the candidate
1	2	3
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		

Returning Officer.

## FORM-III

[See rules 19 and 22 (1)]

FRONT OF  
BALLOT-PAPER for the Constituency.....  
OUTER FOIL

Counter foil	Name of candidates	Following Ayur-vedic System	Following Unani System	Space for marking the ballot-paper
Elections to the Board of Ayurvedic & Unani System of Medicine, Himachal Pradesh, Shimla. S. No. of Ballot-paper No. on the roll of the election in the electoral roll	1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9.			

Elections to the Board of Ayurvedic & Unani System of Medicine, Himachal Pradesh, Shimla.  
S. No. of Ballot-paper  
No. on the roll of the election in the electoral roll

Name of the elector.....  
Date of despatch.....  
Initial of Despatching Officer etc.

Note:—On the back of the ballot-paper the number of the elector on the electoral roll to whom it is sent should be noted.

Serial No.....

## FORM-IV-A

[See rule 22 (2)]

## ENVELOPE SMALL

To

The Returning Officer (Elections),  
 Board of Ayurvedic and Unani  
 Systems of Medicine,  
 Himachal Pradesh, Shimla-171002.

## FORM-IV-B

[See rule 22 (2)]

## ENVELOPE BIG

Serial No. ....

To

The Returning Officer (Elections),  
 Board of Ayurvedic and Unani  
 Systems of Medicine,  
 Himachal Pradesh, Shimla-171002.

## FORM-V

(See instruction No. 6 in Form-III)

I, hereby declare that my name appears in the electoral roll, vide entry No. ....

-- Signatures of the Elector.  
Residence.....

Certified that the above elector has signed the declaration in my presence.

Signatures of the Attesting Officer.

Name of officer.....

Designation and complete address of the Attesting Officer.

## FORM-VI

(See rule 35)

## AFFIDAVIT

I, .....  
 (mention here the name of the practitioner)  
 son of Shri .....  
 (mention here the name of the father)  
 age ..... of .....  
 (Complete address)

make solemn affirmation take oath and say:—

(i) that the respondent has been guilty of the corrupt practices of .....  
(mention here one or more of the corrupt practices and particulars thereof);  
(ii) that the particulars stated in the paras No.....are true to the best  
of my knowledge and belief.

*Signatures of the Deponent.*

Solemnly affirmed/sworn by Shri/ Shrimati....., at.....  
this.....day of.....198.....  
before me.

*Name of the attesting Magistrate,  
Date and place of attesting with seal  
of the officer.*

**'FINANCIAL MEMORANDUM' appended to Himachal Pradesh Ayurvedic and Unani  
Practitioners (Elections) Rules, 1984**

The Himachal Pradesh Board of Ayurvedic and Unani System of Medicine, Shimla, shall be required to incur considerable expenditure on the conduct of Elections of Members in accordance with the provisions of Himachal Pradesh Ayurvedic and Unani Practitioners (Election) Rules, which will be about Rs. 80,000/- The Board has no substantial resources to meet this entire expenditure rendered unavoidable by the requirements of these Statutory Rules, to carry out the provisions of the Act.

Government will reasonably be expected to reimburse either entire or substantial part of this expenditure on Election of Members under the Rules, to be conducted after every five years. The additional liability arising from this expenditure on Elections to the State Exchequer, by way of special grant is estimated to be Rs. 80,000/- at least, every time the Elections have to be held. This additional expenditure is unavoidable under the Law, i.e. the Act and the Rules.

By order,  
O. P. YADAV,  
Secretary.

